rere. Mah. 3.405.: कालकल्पो व्यदृश्यत· — *Caus.* ostendere. Mah. 2.2633.

c. सम् 1) videre, conspicere, spectare. R. Schl. I. 1.53.; Man. 12.118. 7.143.; Bh. 3.20. — *Pass.* A. 1.3. 2) considerare. R. Schl. II. 9.3.: इदं सम्पश्य केनो 'पायेन स प्राप्नुयाद् राज्यम्·

दृश् *f.* (r. दृश्) oculus. Am.

दृशद् *f.* lapis, saxum; *v.* दृषद्·

दृषद् *f.* lapis, saxum; *v.* दृशद्· Ragh. 4.74.

दृष्ट v. दृश्·

दृष्टपूर्व (v. gr. 680.) visus antea. N. 1.14.30.

दृष्टि *f.* (r. दृश् s. ति) visus, aspectus. Su. 3.16. Sa. 6.1. Ragh. 6.80.

दृह् 1. *P.* (वृद्धौ) crescere. *Part. pass.* दृहित qui crevit, et दृढ (gr. 618.) extensus, multus, firmus, solidus. Su. 1.10.18. N. 6.10. M. 30. — दृढम् *Adv.* valde. N. 23.8. A. 8.1. (V. दृंह्, दीर्घ, 2. तृह् et cf. hib. *daingean* «strong, secure, close»; *daingne* «strength, stability»; Pottius apte huc trahit anglosax. *telg* planta, virgultum, et goth. *tulgjan* firmare, roborare, *Etym. Forsch.* I. 251.; gr. δϱιάω, δϱίος, v. Benf. I. 96.)

1. दृ 9. *P.* दृणामि, *part. pass.* दीर्ण (gr. 385. 609.) lacerare, dilacerare, dissecare, rumpere, findere. Mah. 3.16426.: ब्रह्मास्त्रेण ददारा 'द्रिम्; H. 4.8.: शिरो राक्षस दीर्यताम्; N. 21.15.: हृदयन् दीर्यत इदं शोकात्· — *Caus.* findere, *proprie* facere ut alqd findatur. R. Schl. I. 16.24.: दारयेयुः क्षितिम् पद्भ्याम्; Mah. 1.795.: वज्रन् तद् विलम् अदारयत्· (Vera rad. forma est दर्, unde दल् q. v.; cf. gr. δέϱω; slav. *derŭ* excorio; russ. *dra-tj* rumpere, scindere, *dratj koschu* detrahere pellem; goth. *ga-TAR* (*ga-taira, ga-tar*) dirumpere, scindere; angl. *tear*; germ. vet. *ZAR* (*ziru, zar*); nostrum *zehre, zerre.*)

c. अव *i. q. simpl.* Mah. 3.17300.: हृदयम् अवदीर्यते मे· — *Caus.* findere. Ragh. 13.3.: उर्वीम् अवदारयद्भिः·

c. अव praef. वि *id.* R. Schl. II. 72.28.: व्यवदीर्णम् मनो मम·

c. वि *id.* Mah. 1.1477.: प्रहरैर् देवान् विददार; 3.673.: शालं विदीर्य; N. 9.4.: मन्युना व्यदीर्यते 'व हृदयम्; 19.3. — *Caus. id.* Bhag. 1.19.: स घोषो ... हृदयानि व्यदारयत्·

2. दृ 1. *P.* et 9. *P.* दरामि, दृणामि (भये *K.* भिये *V.*) timere.

दे 1. *A.* (पालने) tueri; *cf.* दय्·

देदीप्य् *Intens.* rad. दीप्·

देव् 1. *A.* (a दिव् adjectâ *gunâ*) 1) ludere. Bhatt. 17.102.: अदेवत शायकैः· 2) queri, lamentari. (Lith. *dejoju* ejulor, lamentor; fortasse lat. *lâ-mentum* e *dai-mentum*, mutato *d* in *l*; v. दिव्·)

c. परि *Caus. P.* queri, lamentari. N. 13.30.: आत्मानम् पर्यदेवयत्; Br. 1.4.: रोरुयमाणांस् तान् दृष्ट्वा परिदेवयतश्च सा· — परिदेवित *n.* planctus, querimonia. Br. 3.20. N. 24.25.

देव *m.* (r. दिव् splendere s. अ) *Adj.* splendens, *in dial. Vêd.*; v. Rosenii Rig-Vedae Sp. p. 13. — *Subst. m.* 1) deus. Su. 3.4. 2) rex. Hit. 7.21. (Lith. *diewa-s* deus; lat. *deus*; gr. θεός; hib. *dia* deus.)

देवता *f.* (a praec. s. ता) dea. H. 4.28. N. 12.74.75.

देवत्व *n.* (a देव s. त्व) divinitas.

देवदत्त *m.* (e देव et दत्त datus) Arg'uni concha. A. 5.24.

देवन *n.* (r. दिव् ludere, s. अन) lusus. N. 8.1. 12.83.

देवर *m.* levir, *praesertim* mariti frater junior. Mah. 1.4181. (Lith. *dëweris*; lat. *lêvir*, Them. *lêviru*, e *dêvir*; slav. *dever*; anglo-sax. *tacur, tacor*; germ. vet. *zeihur*, mutato *v* in gutturalem, v. gr. comp. 19.; gr. δαήϱ pertinet ad देवृ i. e. देवर्·)

देवरूपिन् (a देवरूप - देव + रूप - deorum forma, s. इन्) divinâ formâ praeditus. H. 2.24.

देवर्षि *m.* (*tatp.* e देव deus et ऋषि sapiens, sanctus) divinus sapiens. Bh. 10.13.

देवी *f.* (a देव signo *fem.* ई) 1) dea. In. 5.20. 2) regina. N. 7.12.

देवृ *m. i. q.* देवर· (Gr. δαήϱ, v. देवर्·)

देश *m.* (r. दिश् s. अ) regio, locus. H. 4.19.; Dr. 5.8.